sns academy
a fingerprint school
Sincerity, Nobility and Service

Work sheet- October-2019

Hindi (Grammar)

Grade: IX

प्र.1. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर दिए गये प्रश्नों का उत्तर दीजिए।

जग में सचर-अचर जितने हैं, सारे कर्म निरत हैं
धुन है एक-न-एक सभी को, सबके निश्चित व्रत हैं
जीवन-भार आतप सह वसुधा पर छाया करता है
तुच्छ पत्र की भी स्वकर्म में कैसी तत्परता है।।
रवि जग में शोभा सरसाता, सोम सुधा बरसाता
सब हैं लगे कर्म में, कोई निष्क्रिय दृष्टि न आता
है उद्देश्य नितांत तुच्छ तृण के भी लघु जीवन का
उसी पूर्ति में वह करता है अंत कर्ममय तन का ।।
तुम मनुष्य हो, अमित बुद्धि-बल विलसित जन्म, महान
क्या उद्देश्य- रहित हो जग में, तुमने कभी विचारा ?
बुरा न मानो, एक बार सोचो तुमने अपने मन में!
क्या कर्तव्य समाप्त कर लिया तुमने निज जीवन में ?

क) सचर-अचर किन्हें कहा जाता है ?

_____

_____

ख) एक पत्ता अपने काम को कैसे पूरा करता है ? उसे तुच्छ क्यों कहा गया है ?

_____

_____

ग) सूर्य-चंद्रमा के उदाहरण कवि ने क्यों दिए हैं ?

_____

_____

घ) ' तुम मनुष्य हो' कहकर कवि मनुष्य को क्या प्रेरणा दे रहा है ?

_____

_____

ड.) इस गद्यांश का उचित शीर्षक दीजिए।

_____

प्र.2. वर्ण- विच्छेद कीजिए।

1. निष्क्रिय - _____
2. तुच्छ - _____
3. व्रत - _____
4. क्षमता_____
5. ऐच्छिक- _____-

प्र.3. उपसर्ग और मूल शब्द अलग कीजिए।

1. स्वकर्म- 2. रहित- 5. उदाहरण-

3. निरत- 4. आतप -

प्रत्यय और मूल शब्द अलग कीजिए।

1. जीवन - 2. बरसाता -
3. - नितांत- 4. कर्ममय -

प्र.4. संधि कीजिए ।

1. मन: + अनुकूल -

2. सम् + चय -

3. जगत् + अंबा -

4. तब + ही -

5. किन + ही -

संधि- विच्छेद कीजिए ।

1. चरणामृत -

2. अंतर्गत -

3. घुड़दौड़ -

4. छात्रावास -